केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड

मुख्यालय, दिल्ली

प्रशासन एकक द्वारा हिंदी गतिविधि का आयोजन

- एक संक्षिप्त रिपोर्ट

राजभाषा हिंदी के प्रसार-प्रचार के तहत बोर्ड मुख्यालय की प्रशासन शाखा की इकाइयों द्वारा 21 फरवरी, 2024 को हिंदी साहित्यकार एवं कवि सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' के जन्म दिवस पर निम्नानुसार हिंदी गतिविधि का आयोजन किया गया:

स्थान: बोर्ड मुख्यालय, तृतीय तल अपराह्न 4 बजे

हिंदी गतिविधि: सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' कवि/रचनाकार के जीवन/कृतित्व पर विचार प्रस्तुति अथवा हिंदी में कहानी, गीत, कविता पाठ आदि

उपर्युक्त कार्यक्रम श्री जयप्रकाश चतुर्वेदी, संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं विधि) की अध्यक्षता एवं मार्गदर्शन में आयोजित हुआ। उक्त कार्यक्रम श्री रामशंकर, निदेशक (प्रशिक्षण), श्री संजीव शर्मा, उप सचिव (प्रशासन) एवं श्रीमती कैथरीन, संयुक्त सचिव (आईटी) ने अपनी उपस्थिति दर्ज की। प्रशासन 2 व 3, कार्मिक ए एवं बी, छात्रवृति और हिंदी प्रकोष्ठ आदि शाखाओं के कुल मिलाकर लगभग 45 कार्मिकों ने भाग लिया। श्रीमती प्रतिभा शर्मा, अवर सचिव (राजभाषा) हिंदी प्रकोष्ठ द्वारा प्रतिभागियों के समक्ष कार्यक्रम का प्रयोजन और रूपरेखा रखी गई:-

हिंदी प्रकोष्ठ:- श्रीमती प्रतिभा शर्मा, अवर सचिव (राजभाषा) ने सूर्य कान्त त्रिपाठी 'निराला' का जीवन परिचय दिया और उनकी उत्कृष्ट कृतियों की जानकारी दी। साथ ही श्रीमती नेहा शुक्ला, कनिष्ठ अनुवाद अधिकारी ने 'निराला' जी की सर्वोत्तम रचना "**राम की शक्ति पूजा**" के कुछ अंश पढ़ें और श्रीमती पूनम मल्होत्रा, वरिष्ठ अनुवाद अधिकारी, ने निराला जी की कविता "**तोड़ती पत्थर"** का वाचन किया जिसके कुछ अंश इस प्रकार है:-

वह तोड़ती पत्थर
देखा उसे मैंने इलाहाबाद के पथ पर-
वह तोड़ती पत्थर
कोई न छायादार
पेड़ वह जिसके तले बैठी हुई स्वीकार;

प्रशा 2 एवं 3:- एकक से श्री निशांत भारतीय, अधीक्षक द्वारा 'निराला' जी की कविता "**अभी न होगा अंत**" और श्री योगेश, द्वारा कविता "**मातृवंदना**" कविता का वाचन किया जिसके कुछ अंश इस प्रकार है:-

"नर जीवन के स्वार्थ सकल,
बलि हो तेरे चरणों पर, माँ
मेरे श्रम-संचित सब फल।.....
महाकाल के खरतर शर
सह सकूँ, मुझे तू कर दृढ़तर।

जागे मेरे उर में तेरी,
मूर्ति अश्रु जल-धौत विमल।
दृग जल से पा बल, बलि कर दूँ।
जननि, जन्म-श्रम-संचित सब फल।“

<u>कार्मिक ए एवं बी</u>:- एकक से श्रीमती शोभा सुंदरियाल, अधीक्षक ने **“भिक्षुक”** कविता का पाठ किया एवं श्रीमती बबीता, अधीक्षक ने **“गीत गाने दो मुझे”** नामक शीर्षक की कविता सुनाई।

<u>भंडार प्रकोष्ठ:-</u> से श्री देवराज, अधीक्षक ने ‘माँ’ शीर्षक नाम से एक मार्मिक कविता का पाठ किया।
श्री रामशंकर, निदेशक (प्रशिक्षण), ने सूर्यकान्त त्रिपाठी ‘निराला’ के जीवन काल की घटनाओं पर चर्चा की जिसके अंतर्गत उन्होंने उनके वंशजों के बारे में जानकारी दी। साथ ही, श्री जयप्रकाश चतुर्वेदी संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं विधि) ने भी सूर्यकांत त्रिपाठी ‘निराला’ की “सरोज स्मृति” रचना की चर्चा की जो कि ‘निराला’ जी ने अपनी बेटी की याद में लिखी थी।
इसके अतिरिक्त, संयुक्त सचिव (प्रशासन एवं विधि) ने सभी प्रतिभागियों को इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियों से न केवल हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ेगी बल्कि साहित्यिक जानकारी का भी वर्धन होगा।
कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उत्साहपूर्ण भागीदारी दी। इस प्रकार यह हिंदी गतिविधि सम्पन्न हुई।

झलकियाँ

250422/2024/HINDI SECTION